ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

23-11-2022

ब्राह्मण जन्म की विशेषता को नेचुरल नेचर बनाना – इसको ही सहज पुरुषार्थ कहा जाता है। सिर्फ एक विशेष आत्मा हूँ – इस स्मृति स्वरूप में स्थित हो जाओ तो बाप समान बनना अति सहज अनुभव करेंगे क्योंकि स्मृति स्वरूप सो समर्थी स्वरूप बन जाते हैं।

Now transform the old nature and old sanskars.

To make the speciality of Brahmin life your natural nature is called easy effort. Simply stabilise in the consciousness of your being a special soul and you will experience it to be extremely easy to become equal to the Father, because as is your consciousness, so you automatically become the embodiment of that.